शेर और सियार

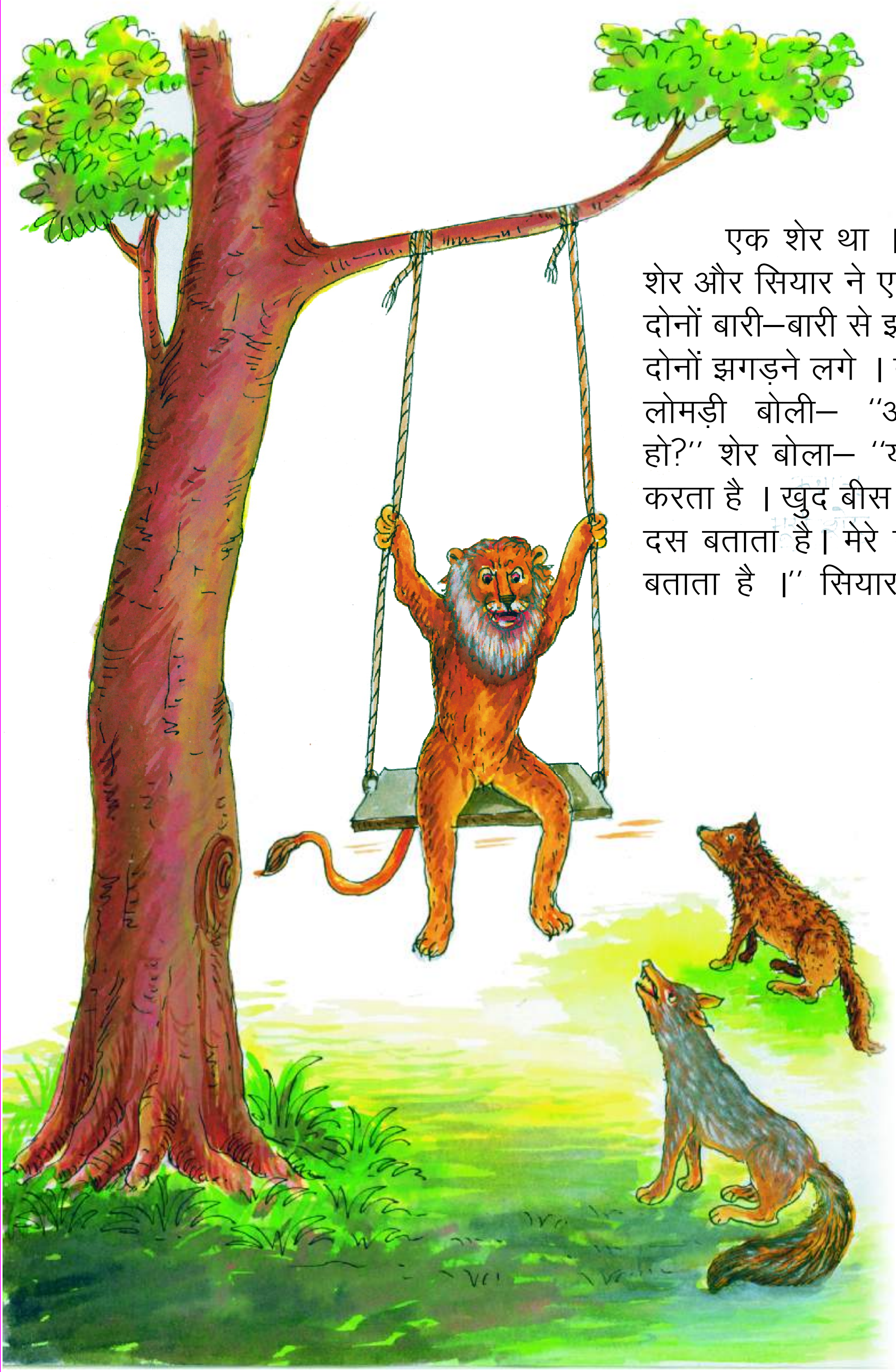

एक शेर था । एक सियार था । शेर और सियार ने एक झूला डाला । वे दोनों बारी–बारी से झूलते थे । एक दिन दोनों झगड़ने लगे । तभी लोमड़ी आई । लोमड़ी बोली– ''अरे! क्यों झगड़ते हो?'' शेर बोला– ''यह सियार बेईमानी करता है । खुद बीस झूले झूलता है, तब दस बताता है। मेरे दस झूलों को बीस बताता है ।'' सियार बोला– ''यह शेर

शेर झूठा है । गिनती भी नहीं जानता । मुझे पंजे से डराता है ।'' लोमड़ी बोली– ''शेर अकल लगा । गिनती सीख । पंजा मत मार ।'' शेर बोला– यहाँ पंजा ही चलता है, अकल नहीं ।

ऐसा कहकर वह लोमड़ी को मारने दौड़ा । लोमड़ी जान बचाकर भागी । सामने एक पेड़ था । पेड़ का तना मोटा था । तने में एक छेद था । लोमड़ी छेद में से निकल गई ।

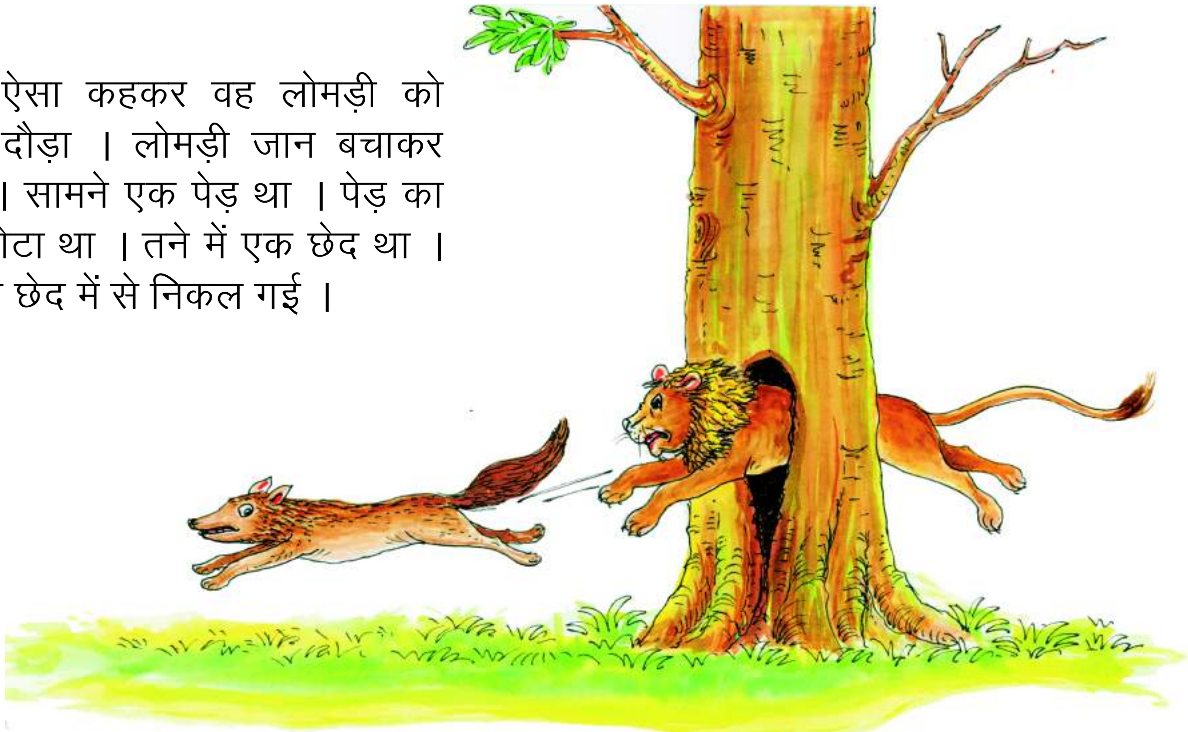

शेर भी पीछे लपका । लेकिन वह मोटा था, उसमें वह फंस गया । न आगे निकले न पीछे । लोमड़ी बोली– ''अब अकल लगा । यहाँ पंजा नहीं, अकल चलती है ।''

दिनांक

शेर और सियार

दिवस–166

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को शीर्षक में आए जानवरों के संबंध में पूर्वज्ञान को समझते हुए पूरी कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँ (अंत छोड़कर) तथा शेर और सियार के बारे में बातचीत करें यथा– कहाँ रहते है? क्या खाते है? आदि।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जंगल का राजा किसे कहते है?

शेर	हाथी	शेर

शेर कहाँ रहता है?

	जंगल में	घर में

शेर कैसा जानवर है?

	कमजोर	ताकतवर

सियार क्या खाता है?

	मांस	घास

चित्रों के नाम लिखिए–

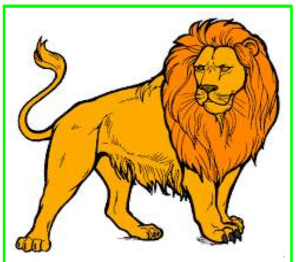

'कटहल' शब्द के अक्षरों की सहायता से नए शब्द बनाइए–

हल	

देखकर लिखिए–

निश्चय				

दिनांक	# शेर और सियार	दिवस–167

शिक्षण–निर्देश :
कहानी के पहले भाग को पढ़ना, उसकी समझ देना और सोचकर आने वाला प्रश्न गृहकार्य के लिए देना।
झूले के बारे में बच्चों से बातचीत, जैसे– झूला कहाँ लगाते है, किन वस्तुओं से झूला बनाते है आदि।
अबतक समझे गए शब्दों का श्रुतिलेख।

जिस पर आप झूलते है उस पर सही (✓) का निशान लगाइए–

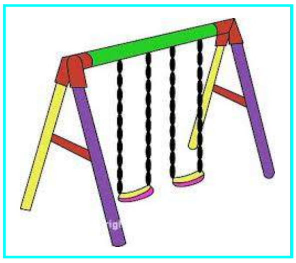

दिए गए अक्षर वाले शब्द लिखिए–

आ		
ओ		
ए		

समान लय वाले शब्द को मिलाइए–

बच्चा	भुट्टा
पक्का	सच्चा
खट्टा	लत्ता
पत्ता	मक्का

झूले का चित्र बनाइए–

दिनांक	शेर और सियार	दिवस–168

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के दूसरे भाग को पढ़ना, उसकी समझ देना और सोचकर आने वाला प्रश्न गृहकार्य के लिए देना।
लोमड़ी के बारे में बातचीत, जैसे– लोमड़ी कैसी दिखाई देती है, कहाँ रहती है, क्या खाती है आदि।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लोमड़ी का रंग कैसा होता है?

भूरा	भूरा	हरा

लोमड़ी कैसी जानवर है?

	बेवकूफ	अकलमन्द

लोमड़ी क्या नहीं खाती है?

	मांस	घास

लोमड़ी की पूँछ कैसी होती है?

	मोटी	पतली

शेर कितने झूलें झूलता था?

	दस	बीस

किसको गिनती नहीं आती थी?

	शेर	सियार

मात्रा लगाकर सही शब्द लिखिए–

बतल	बोतल	गलाब	
कसान		सनिक	
बगला		चराहा	
टपी		महनत	

दिनांक

शेर और सियार

दिवस–169

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के तीसरे भाग को पढ़ना, उसकी समझ देना और सोचकर आने वाला प्रश्न गृहकार्य के लिए देना।
पंजा के बारे में बातचीत करना। विभिन्न जानवरों के पंजों की आकृति एवं उनमें भिन्नता की ओर ध्यान दिलाना।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर लिखिए, किसने कहा और किससे कहा–

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
अरे! क्यों झगड़ते हो		
खुद बीस झूलता है तब दस बताता है।		
गिनती भी नहीं जानता।		
यहाँ पंजा ही चलता है, अकल नहीं।		
यहाँ पंजा नहीं, अकल चलती है।		
मुझे पंजे से डराता है।		

'कमलककड़ी' शब्द के अक्षरों की सहायता से नए शब्द बनाइए–

कमल	

रंग भरिए–

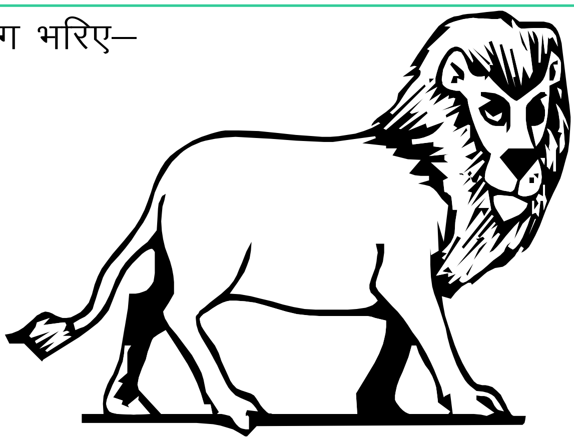

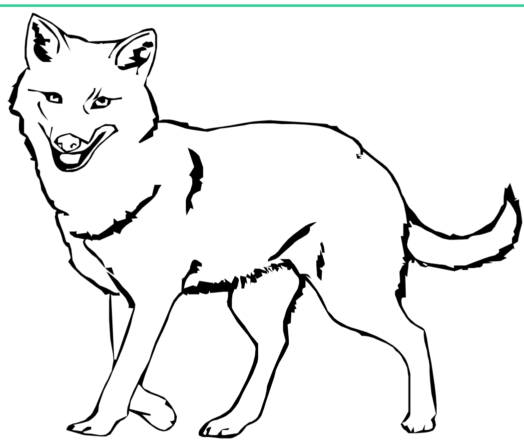

दिनांक	शेर और सियार	दिवस–170

शिक्षण–निर्देश :

प्रश्नोत्तरी द्वारा पहले, दूसरे और तीसरे भाग का पुनरावर्तन।
दिन, बेईमान, झूठ जैसे शब्दों के अर्थ बताते हुए इनके उल्टे अर्थ वाले शब्दों तक पहुँचाना।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

झूला कहाँ पर डाला गया था?

पेड़ पर	पेड़ पर	छत पर

शेर किससे डराता था?

	पूँछ से	पंजे से

शेर कहाँ फँस गया?

	पेड़ में	झूले में

शेर को गिनती सीखने के लिए किसने कहा?

	लोमड़ी ने	सियार ने

उल्टे अर्थवाले शब्दों की जोड़ी बनाइए–

दिन	नीचे
ऊपर	पतला
झूठ	सच
मोटा	रात

अक्षरों को सही क्रम में सजाकर शब्द बनाइए–

र त औ	औरत	ल जं ग	
सि र या		छु क आ	
म ड़ी लो		म ली इ	

दिनांक

शेर और सियार

दिवस–171

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के चौथे भाग को पढ़ना, उसकी समझ देना और सोचकर आने वाला प्रश्न गृहकार्य के लिए देना।
पेड़ के समानार्थी शब्द की समझ दें।

शब्दों को उनके नाम के साथ मिलाइए–

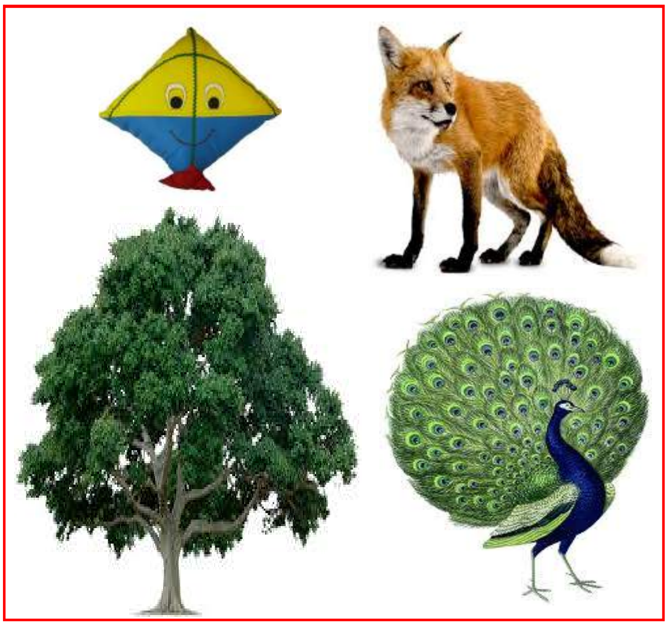

पेड़
मोर
लोमड़ी
पतंग

खाली जगह में सही उत्तर चुनकर भरिए–

यह शेर .... है।	झूठा	बेईमान
लोमड़ी .... बचा कर भागी।	जान	मान
मुझे .... से डराता है।	नाखून	पंजे
शेर और सियार बारी–बारी से .... थे।	झूलते	झगड़ते
शेर .... भी नहीं जानता।	गिनती	जोड़

दिए गए अक्षर वाले शब्द लिखिए–

क्ष		
त्र		
ज्ञ		

दिनांक	शेर और सियार	दिवस–172

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के पाँचवें व अंतिम भाग को पढ़ना, उसकी समझ देना और सोचकर आने वाला प्रश्न गृहकार्य के लिए देना।
शेर का समान अर्थ वाले शब्द बताना।

दिए गए शब्दों का एक और नाम लिखिए–

आकाश	
दोस्त	
जल	
पेड़	

टेबुल की सहायता से वाक्य बनाइए और लिखिए–

हम	पानी	पीते हैं।
मछलियाँ		में रहती हैं।
साफ		पीना चाहिए।
बोतल में		हैं।

हम पानी पीते हैं।	

समझिए और शब्दलड़ी बनाइए–

झूठ → ☐ → ☐ → ☐ → ☐

दिनांक	शेर और सियार	दिवस–173

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन।
झूठ, मोटा, पीछे जैसे शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए उनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बताना।

दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थवाले शब्द लिखिए–

झूठा		कम	
नया		पीछे	

पाठ में से ऐसे शब्द चुनकर लिखिए जिसमें दिए गए अक्षर आते हैं–

झ	न	स
....	....	....
....	....	....
....	....	....

शेर, सियार या लोमड़ी का चित्र बनाइए–

दिनांक	शेर और सियार	दिवस–174

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के पात्रों पर चर्चा।
कहानी में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए उनकी समझ बनाना।

अक्षरों की सहायता से रिश्तों के नाम लिखिए–

....मम्मी	............सी
दा............	चा............
बु............	............या
ब............न	पा............

म, मौ, भै, आ, ह, दी, पा, ची

चित्र के सामने उसका नाम लिखिए–

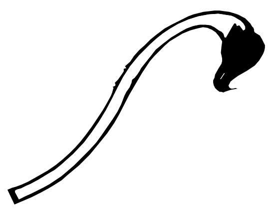

20

समान लय वाले शब्द लिखिए–

खोज	रोज	अकल	
बीस		मोटा	

समझिए और शब्दलड़ी बनाइए–

बेईमानी → ______ → ______ → ______ → ______

दिनांक

शेर और सियार

दिवस–175

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से उनके पसंद की कोई एक कहानी सुनना।
प्रश्नों के उत्तर विभिन्न तरीकों से दिए जाने की समझ बनाना।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में लिखिए–

सियार को पंजे से कौन डराता था?

पेड़ का तना कैसा था?

छेद में कौन फँस गया?

शेर किसको मारने के लिए दौड़ा?

कहानी में आने वाले शब्दों को घेरा ○ लगाइए–

भालू शेर शहद राह सियार

पौधा लोमड़ी झूला किताब

मित्र झूठ गिनती साँस

मोटा बीस शेर पंजा

समझिए और शब्दलड़ी बनाइए–

बीस → → → →